नया
मारवाड़ी गीत ।

प्रथम भाग ।

संग्रह कर्त्ता—

पं० बद्रीलाल मौलेसरिया ।

प्रकाशक—

निहालचन्द वर्म्मा ।

सं० १९७० ।

प्रथम बार १००० दाम ।)

पं० बद्रीलाल मौलेसरिया।

Burman Press, Calcutta.
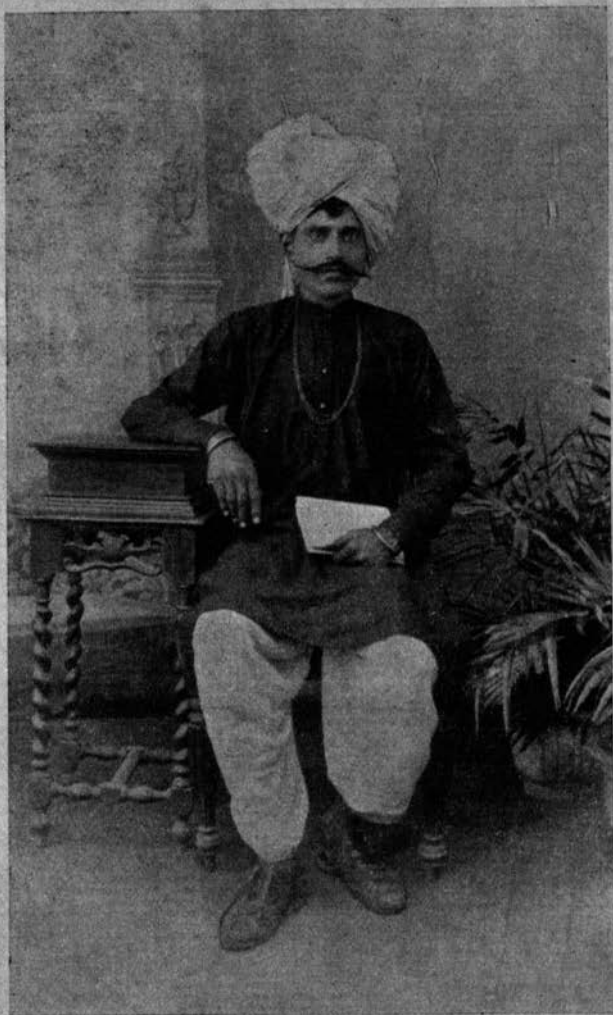
मारवाड़ी गीत।

(पहला भाग)

भजन गनेशजीको।

राग पारवा।

श्रीश्यामु क्रांतिके भ्राता, आद गनराज तुजेमैं ध्यावता। संकर सुवन भवानीके नन्दन, आद करूंमैं थारो बन्दन पान पुष्प मोदक और चन्दनले थारी भेंट चढ़ावता। दिलुमें येआनंद आता ॥ आद ॥ १ ॥ ध्यावत तुमकूं देव सुरेसा, सनकादिक नारद ओर सेसा। ब्रह्मा बिष्णू और महेशा अबल तोए मनावता। मन इन्छया कारज चाहता ॥ आद ॥ २ ॥ रिधु सिधु के तुमहो नायक, काटो सबरे भिघन बिना-यक, भगतनके तुम सदा सहायक, भिघन

पास नहीं आवता । तुमहो मंगलके दाता॥ आद ॥ ३ ॥ अरज करत बलदेव सुवनमैं, आया प्रभुजी चरन सरनमैं ज्योंअभिलाषा मेरे मनमें, सिद्ध करो यह चावता । द्विज बद्रु सीस नवाता । आद गनराज तुजेमैं ध्यावता श्रा ख्वामु क्रांतिके भ्राता ॥

उमराव ।

सारद गनपतको भजन कर मन नित्त हमेस । बुध बिद्यादे सारदा नासें भिघन गनेशजी, म्हाराज । गजानंद भिघन-बिनासन वाला, म्हाराज, गनराजजीवो म्हाराज ॥ १ ॥ सदा झरोखां बैंठता करता धणरा प्यार हाजर ऊभी साहबा थारी प्यारी सजसीनगार, जी उमराव म्हाने हंसहंस कंठ लगावो मेरी ज्यान । उमराव-जी वोरसिया ॥ २ ॥ प्रभाते सीध करनकी प्रीतम ठानीठान, म्हाने तजसी बिलखती

दुखी हमारा प्रान, जीउमराव म्हारोजीव ड़ोधीर धरैंना मेरी ज्यान ॥ ३ ॥ मत छिट-कावो साएबा मोए सुगनीरा पीव थाबिन धणरो बालमा पलकन लागे जीवजी उम-राव धणरी था बिन सेज अलूनी मेरी ज्यान ॥ ४ ॥ सैल सुता पती तासु रिपु आन मेरोड़ै अंग, था बिन मदन महीपसे कुंन करैंगो जंग, जी उमराव आप बिन मदन बदनकूं तावे मेरी ज्यान ॥ ५ ॥ सजन सकारे जाएंगे मैं निश्चय ली जान, अरज हमारो थेसुनो श्रीकासीबसुत भानजी म्हा-राज उदै मत होज्यो आप सकारै म्हाराराज ॥ ६ ॥ उदै होनमैं बिलम्ब टुकथे करज्यो म्हाराज। आप प्रगट होता सुनो सीध करै सरताज, जी म्हाराज आप बिरहनीकी दया बिचारो मेरी ज्यान ॥ ७ ॥ सजन सीख मांगन लगे उदै भये जब भान। राजीड़ा

रीकोटड़ेया भई पलाण पलाण, एजी उमराव थारा करला धींरा हाकोमेरी ज्यान सजन गया परदेसमें हिरदो कियो कठोर. सेजा छोड़ी गोरड़ीं सोने कोसी गोर एजी उमराव थारी ओलु धणनं आवे मेरो ज्यान ॥ ९ ॥

बारामासियो रंगत उमराव।

भादूं वरषा झुक रही घटा चढ़ी नभ जोर कोयल कूक सुनावती बोले दादूर मोर, एजो सिरकार पपैओ पोव पोव शब्द सुनावैं मेरी ज्यान। चम चम चमके बीजुरी टप टप बरस मेह भरभादू विलखत तजी भलो निभायो नेह, जी सिरदार चतर चोमासे मैं घर आवो मेरो ज्यान ॥ १ ॥ आसोजांमें सीप ज्यों प्यारी करती आस, पोव पीव करतीधन फिरे प्रीतम

आए न पास, जी उमराव इन्द्र जो ओलर
ओलर आवो मेरी ज्यान। करूं कड़ाइ
चावसे तेरी दुर्गा माये आसोजांमें आयेके
जो प्रीतम मिल जाय जी महारानी थारे
सुबरन छत्र चढ़ाउं मेरी ज्यान ॥ २ ॥
कातिक छाती कर कठिन पिया बसे जा
दूर, लालचके बस होएके विलखत छोड़ी
हूर जी उमराव धण थारी ऊभीका
गउडावे मेरी ज्यान। सखी संजोब दिवला
पुजे लक्ष्मी मात, रल मिल पोढ़े कामनी ले
प्रीतमने साथ, जी उमराव सखी सब
पिया सङ्ग मोज उड़ावे मेरी ज्यान ॥ ३ ॥
मगसर महीनामें मेरे मनमें उठै तरङ्ग,
अरध निशामें आनके मदन करत मोंहे
तङ्ग, जी उमराव आप बिन कुन म्हारी
तपत मिटावे मेरी ज्यान। ना घर आवै
पीवजी बीतगई बरसात, अगहन झूरे

कामनी जाडो जहरखात जी उमराव अब तो रितु सरदीकी आई मेरी ज्यान ॥ ४ ॥ पोस जोस सरदो तना जाड़ो पड़े अनंत, दिलवर बसत दिसावरां बैठा होए न चन्त, जी सिरकार सरदीसे जरदो तन छाई मेरी ज्यान। ठंडो सेज लखावती ठंडा बसन तमाम, पोस भई बेहोस मैं घरना सिरको श्याम, जी सिरकार सरदमें घर आये कंठ लगाओ मेरी ज्यान ॥ ५ ॥ माघ मगन रहती परी घर होते भरतार, पीव तो बसैं विदेस में हीवड़े वहे कटार, जी उमराव अकेली दुखका दिन बोलाउं मेरी ज्यान। आई बसंत संगकी सखी सबो रङ्गावे चीर, मेरा सब रङ्ग सङ्ग लेगयो बाईजी रो बीर, जी उमराव बसंतमें थारी नार विरंगी मेरी ज्यान ॥ ६ ॥ पोव ना आयेहेसखी खड़ो उड़ाउं काग, सब पिया

प्यारी कामनी रमैं सजन सङ्ग फाग, जी उमराव एक थारी धण विलखी डोलै मेरी ज्यान ॥ ७ ॥ होली खेले सङ्ग रमैं सब पिया प्यारी वाल, पोव गावे प्यारी सुने रसकी राग धमाल, जी उमराव होरी बीतीथे नहीं आया मेरी ज्यान ॥ ७ ॥ चैत चतर गया छोड़के चिन्ता करतो बाल, पोव वसे परदेसमें धणरो बुरो हवाल, जी उमराव निसभर नैंना नोद न आवे मेरी ज्यान, सज बजके संगरी सखी नीर नी पूजे गोर, पीया बिसारी कामिनी अरज करे करजोड़, जी महारानी मेरो बिछुड़ो कंथ मिलावो मेरी ज्यान ॥ ८ ॥

बैसाख ब्याकुल भई सुतिमारु सांस, टपक्यो जावे जोबनु होरयो चित्त उदास, जीउमराव गरमीमें धण भरमी डोलैं मेरी ज्यान। खस खसकैं बंगला परी सूतो पलंग

बिछाए, सुपनेमें प्रीतम मिला हिबड़ेलेड़ लगाये, जीउमराव बैरन आंख मेरी खुल आई मेरी ज्यान ॥ ९ ॥ जेठ ज्वाला परतहै सही न जावे धूप चैन पड़े ना एकपल पीवजी सादो चूप, जी उमराव धण थारी गरमीमे दुखपावे मेरी ज्यान ॥ १० ॥ साढ़ सजन बिन ना सरै सजन बसे परदेस पोव बिहुनी नारने दुखदे मदन हमेस जी उमराव मदन तन घेरो आन हमारो मेरी ज्यान ॥ ११ ॥ सावन माससुलखनु तीज्यांतणो तिवार, तीज सुरंगी होगई घर आयो भरतार, जीउमराव प्यारी धण फुलड़ां सेज समारी मेरी ज्यान। भंवर रमै नित सेज संग खुसी भई नवबाल, रमी कंथ संग कामनी कहते मांगी लालु जी म्हाराज सैन कुल दांतै रामगढ़ वाला मेरी ज्यान ॥ १२ ॥

करवो जंवाईको।

कोठे भुवांउ डोडा एलचीरे करवा कोठेरे एजीरे करवा कोठेजी, म्हार लाड़ जवांईरी भांग एजीवो भुक आज्योजोः एजीबो लुल आज्योजी म्हारे चतर जंवाईरा करवारे जीन्दारा झकोल्या घर आव ॥ १ ॥ धोरां भुवांउ डोडा एलचीरे करवा क्यास्यांरे ऐजीवो करवा क्यास्यांजी म्हारः चतर जंवाइरी भांग एजीवो झुक आज्योजी एजीवो लुलआज्यो जी म्हारे चतर जंवाइ रा करवारे सासुजी उडीकेघरआव २क्यांसे सीचाउं डोडा एलची- रेः करवा क्यांसेजी एजीवो करवा क्यांसेजी म्हारे लाडजंवाइरी भांग एजीवो झुक आज्योजी एजीवो लुल आज्योजी म्हार

लाड जवांइरा करवारे मंजल मंजल घर आवः ३ दुधांसीचावो डोडा एलचीरे करवा दहियांरे एजीवो करवा दहियांरे म्हारे चतर जंवाई रीभांग एजीवो झुक आज्योजी म्हारे सुघर जंवाइरा करवारे जीन्दारा झकोल्या घर आवः ॥ ४ ॥ क्यांसे नीनाणु डोडा एलचीरे करवा क्यांसेजी एजीवो करवा क्यांसेजी म्हारे चतरजंवाईरी भांगएजीवोलुल आज्योजी एजीवो झुक आज्योजी म्हारं चतर जंवाइरा करवारे सासुजी उडीके घर आव ॥ ५ ॥ खुरपा नोनाणु डोडा एलचीरे करवा कसियांरे एजोवो करवा कसियांरे म्हार लाड जंवाईरी भांग ऐजीवो झुक आज्यो जी एजीवो लुल आज्योजी म्हार चतर जंवाईरा करवारे जीन्दारा झकोल्या घर आव ॥ ६ ॥ क्यांसें चुंटाउ डोडा एलचीरे

करवा क्यांसेरे एजीवो करवा क्यांसेरे
म्हार लाड जंवाईरी भांग एजीवो झुक
आज्योजी म्हारे चतर जंवाइरा कर-
वारे सासुजी उडीके घर आव: ॥ ७ ॥
नखसे चुटांउ डोडा एलचीरे करवा चूंट्या
जी एजीवो करवा चूंट्याजी म्हारे चतर
जंवाईरी भांग एजीवो झुक आज्योजी
एजीवो लुल आज्योजी म्हारे चतर
जंवाईरा करवारे मंजल मंजल घरआव
॥ ८ ॥ क्यांसे ढुवांउ डोडा एलचीरे करवा
क्यांसेरे म्हारे चतर जंवाईरी भांग एजीवो
झुक आज्योजी म्हार लाड जवांइरा कर
वारे कागलिया उडाउं घर आव ॥ ९ ॥
ऊटां ढुवाउ डोडा एलचीरे करवा गाडां
जी एजीवो करवा गाडांजी म्हारे चतर
जवांईरी भांग एजीवो झुक आज्योजी
एजीवो लुल आज्योजी म्हारे चतर

जवांईरा करवारे सासुजी उडीके घर आव ॥ १० ॥ कठेनो सुकाउं डोडा एलचीरे करवा कोठेजी एजीबो करबा कोठेजी म्हारे चतर जवांईरी भांग एजीवो लुल आज्योजी म्हारे चतर जवांइरा करवारे मंजल मंजल घर आव ॥ ११ ॥ छात्यां सुकावों डोडा एलचीरे करवा मैड़ीजी एजीवो करवा मह्यांजी म्हारे लाड जवां-ईरी भांग एजीवो झुक आज्योजी म्हारे चतर जवांइरा करवारे जीन्दारा झकोल्या घर आव ॥ १२ ॥

कुणते चाबेलो डोडा एलचीरे करवा कुणरे एजोवो करवा कुणरे म्हारे चतर जवांइरी भांग एजीबो झुक आज्योजी म्हारे चतर जवांईरा करवारे सासुजी उडीके घर आव ॥ १३ ॥ मारूणी चाबेली डोडा एलचीरे करवा रसियाजी एजीवो

"मतना सिधारो पूरबकी चाकरी जी।"

करवा रसियाजी म्हारे चतर जवांईरी भांग एजीवो भुक आज्योजी म्हारे चतर जवांईरा करवारे मंजल मंजल घर आव॥ ॥ १४ ॥ द्विः बद्रीलाल ॥

॥ पीपली ।

बाये चढ़ेयाछा भंवरजी पीपली जी हांजी ढोला होगई घेर घुमेर बैठनकी रुत चाल्या चाकरीजी एजी म्हारी सासु सपुतीरा पूत मतंना सीधारो पूरबकी चाकरीजो ॥ १ ॥ परण चढ्याछा भवरजी गोरड़ोजी हांजी ढोला होगइ जोद जुवान बिलसणकी रुत चाल्या चाकरी जी एजी म्हारी लाल नणदरा बीर पीयाजीप्यारीजी ने सागेले चलोजी ॥ २ ॥ कुण थारा घुड़ला भंवरजी कसदियाजी हांजी ढोला कुण थाने कसदिया जीन कुण्या जीरा हुकमा

चाल्या चाकरीजी हांजी म्हारी सेजांरा सिनगार मतना पधारो पूरबकी चाकरी जी ॥ ३ ॥ बड़ेवीरै घुड़ला गोरीये कसदीया जी हांजी गोरो साथीड़ा कसदीया जीन्द बाबजीरे हुकमा चाल्या चाकरो जी हांजी म्हारी जोड़ीरा भरतारु मतना सीधारो पूरबकी चाकरी जी ॥ ४ ॥ रोक रुपैयो भंवरजी मैं बानूजी हांजी ढोला बण ज्याउ पीलीपीली म्होर भीड़ पड़े जद मारुजी बरतल्योजी हांजी म्हारा बादीला भरतार, पीयाजी पीयारीने सागेले चलो जी ॥ ५ ॥ सरस जलेवी भंवरजी मैंबनूजी हांजी ढोला बन ज्याउं फुट सुवाल भूख लगे जद भोजन जीमल्यो जी हांजी थारी धण बरजै उमराव पीया जी पीयारीने सागेले चालो जी ॥ ५ ॥ अमर बादली भंवरजी म्हे बनाजी हांजी ढोला बण ज्याउं

घेर घुमेर घाम लगे जद छैयां मै करुंजी हांजी थाने बरजूं बारम्बार पीयाजी पीयारीकी अरजी मान लो जी ॥ ६ ॥

माखी होकर भंवरजी चिप चलूंजी हांजी ढोला बोज रत्तीभर नाये कांटै धरके भंवरजी तोल ल्योजी ॥ ७ ॥

गाड़ी घोड़ा भंवरजी मैं बनूजो हांजी ढोला वण ज्याउं रुणझुण बैल हाथ्याथ क्यीड़ा मारुजी बैठल्योजीः हांजी थाने बरज बरज गई हार, पीयाजो पीयारी नैपलकन आवड़ेजी ॥ ८ ॥ सोड़ पथरना भंवरजो मैं बनूजी हांजी ढोला बनजाउं फुलड़ारी सेज नोंदलगैजद मारुजी पोडल्यो जीः हांजी म्हारी सेजांरा सिनगार पीया जो पीयारीने पलक न आवड़ैजीः ॥ ९ ॥ असल बगीचो भंवरजी मैं बनूजी हांजी

ढोला बंणज्याउ निम्बबा आम कुसीये पड़ेजद् मारुजी चूस ल्योजी हांजी म्हारा बादीला भरतार थां विन पलकन गोरीने आवड़ेजीः ॥ १० ॥ सकर कुइल्यो भंवरजी मैंबनुजी हांजी ढोला बनजांउ लोटो डोर प्यास लगे जद् मारुजो भर पीवोजीः हांजी म्हारी सासु सपुतीरा पूत मतनातो छोड़ो प्यारोने बिलखतीजी ॥ ११ ॥ असल लड़ो कड़ा मारुजो मैं बनूजो हांजी ढोला बणज्याउं मालामार आयोड़े फिरंगीसे झगड़ो झेललूंजी हांजी म्हारो लाल नणद् रा बीर मतना सीधारो पूरबको चाकरीजी ॥ १२ ॥ कदे न ल्याय भंवरजी सीरनीजो हांजी ढोलाकदे ना करीमनुवार कदेयेनैं पुछोमन डेरीवारताजो हांजो म्हारी सेजारा सिनगार पीयाजी पियारीनैंसागे लेचलोजी ॥ १३ ॥ कदेन ल्याया भंवरजी जेवड़ी

जी हांजी ढोला कदेबी बुणी नहीं खाट
कदेबी नैं सूत्या रलमिल दोजनाजी हांजी
म्हारा बादीला भरतार अब घर आवोजी
आसाथारी धण करैजीः ॥ १४ ॥

थारेबाबेजीने चाये मारुजी धन घणो
जो हांजी ढोला कपड़ेरी, लोभण थारी माए
सेजांरी लोभण् झूरे थारी गोरड़ीजी ॥१५॥
अबकैतो ल्यावां गोरीये सीरनीजी हांजी
गोरी अब करस्या मनुवार आएघर पूछां
मनड़ेकी बारताजी। ओजीम्हारी लाल
नणदरा बीर मतना सीधारो पूरबकी
चाकरी जी ॥१६॥ अबकै ल्यावां प्यारीजी
जेवड़ीजी हांजीगोरी आये बुणागाखाट
पीछे सोस्यां आपां दोजणा जी हांजी
म्हारी सास सपूतीरा पूत पीयाजी पीया-
रीनै पलकन आवड़ैजी ॥ १७ ॥ चरखोतो
लेल्युं भंवरजी रांगलोजी हांजी ढोला पीढी

लाल गुलाल तकवो लेल्युं बीजल सारको जी हांजी म्हारी लाल नणदरा बीर, पूणी मङ्गालूं बीकानेरकी जी ॥ १८ ॥ म्होर म्होर की कांतू कुकड़ीजी हांजी ढोला रोकरपैये कोतार मैंकातूं थे बैठ्याबीणजल्योजी हांजी म्हारी सास सपूतीरां पूत अब घर आवो ऊड़ावे धण कागलाजी ॥ १९ ॥ गोरीकी कुमाई खासी रांडियांजी हांजी गोरीके गांदीके मनियार म्हेछां बेटा साहु-कार काजी हांजी म्हारी घणीये पीयारी नार, गोरीकी कुमाईसे पूरा नापड़ैजी ॥२०॥

सावण खेती भंवरजी थेंकरीजी हांजी ढोला भादुंड़ कर्योछो नीनाण सीटाकी रुत छाया परदेसमेंजी ओजी म्हारा घणा पीयारा पीव पीयाजी पीयारी ने पलक न आवड़ैजी ॥ २१ ॥

कदेयेन माणी भंवर पीलङ्गपेजी हांजी ढोला कदेनै जगाया च्यारुं साल कदेयेन तोड़ी कस कांचुंतणीजी ओजी थारी प्यारीजी उड़ावै कागअब घर आवो धाइ थारी नोकरीजी ॥ २२ ॥

जोबन सदायेनै मारूजी थिररहेजी हांजी ढोला फिरती घिरती छांयें पुलका बायामोतीड़ा नीपजेजी ओजी म्हारी लाल नणदरा बीर बेग पधारो भंवरजी देसमेंजी ॥ २३ ॥ ऊजड़ खेड़ा भंवरजी फेर बसैजी हांजी ढोला निरधनियां धनहोये जोबन गयायेन पाछा बावड़ैजी ओजी थाने पतियां लिखगइ हार अब घर आवो झुरेधण एकली जी ॥ २४ ॥

टीकी फीकी भंवरजी पड़गईजी हांजी ढोला हींगलुक चढ़्याजी सीवाल अबघर आवो आसा थारी धण करेजी हांजी

ढोला धाई कुमाइ घर आव सेजांमें डरपै थारी धण एकली जी ॥ २५ ॥

सुपनो नं० ४।

सुपनूतो आयो सरब सुलाखणुजी म्हारी बैयां तलोकर एजीएजाये गूंठड़ो तो भीजे गोरीरे पांवकोजी ॥ १ ॥ सुपनेमैं देखा भंवरजीने आवताजी कोई माथे पचरङ्ग एजीए पाग कांदे सवज एजी ए रुमाल हाथांमें सीसी प्याला प्रेमका जी ॥ २ ॥ आंगण मोचा भंवरजीरा मचकियाजी कोई थलिया ठीमक्यो एजी एसेल गोरीरे आंगणा खुड़को कुण कस्यो जी ॥ ३ ॥ लीलड़ी बांदो भंवरजी ल्हासपे जी कोई सेल घरो धमएजी ए साल आप पधारो मारूजी म्हल मेंजी ॥ ४ ॥ टग टग म्हलां भंवरजी चड गयाजी कोई

खोलो धण सजड़ एजीए किवाड़ सांकल खोलो बीजल सारकीजी, ॥ ५ ॥ हाथ पकड़के भंवर बैठी करीजी कोई बूजी म्हारे मनड़ेरी एजीवो बात अंखियां नीमाणी पापण खुल गई जी ॥ ६ ॥ सुपना रे बैरी तने मार द्युंजी कोईके थारी कतल एजीए कराये सूती तैं ठगली भंवरजी री गोरड़ीजी ॥ ७ ॥ क्याने ए गोरी धण म्हाने मार दयोजी कोई क्युं म्हारो कतल एजीए कराये म्हेछां सुपना ढलती रैनकाजी ॥ ८ ॥ सुपनारे बैरी तैं ऐसी करीजी कोइ ऐसी करयेन एजी ए कोये धोखेसें छलली भंवरजीरी गोरड़ी जी ॥ ९ ॥ म्हेछां सुपना सरब सुलाखनाजी कोई बीछुड़्यांने देव एजीए मिलावे म्हेछां सुपना ढलती रैन काजी ॥ ९ ॥ उम्मर पुरांनो भंवरजी पड़ गयोजी कोइ

टपकण लागया एजीए जून अबघर आओ आसा थारी लग रई जी ॥ १० ॥ पलङ्ग पुराणों भंवरजी हो गयोजी कोई बड़कण लाग्या एजीए साल अब घर आओ गोरीरा साये बजी ॥ ११ ॥ पीपल झुरेजी मारुजी फूंलनेजी कोई फलने झुरे नागर एजी ए बेल सांपुरसांने झूरे अस्तरीजी ॥ १२ ॥ झुर झुर पींजर होज्या गोरड़ीजी जैको पीयो बसे पर एजीए देस वा धण डरपै सेजां एकलीजी ॥ १३ ॥ के कोई जागे राजा बादस्याजी कोई के बालकको एजीए माये केकोइ जागेतिरिया एकली जी ॥ १४ ॥ डूंगर ऊपर मारूजो घर करुंजी कोइ बादलरा करल्युं एजीए किवाड़ बीजलीरे पलकैं देखूं भवर थाने आवता जी ॥ १५ ॥ म्हलांमें चोरी भंवरजी होगई जी कोई लूटयो अनोखो एजोए माल छन्द

पछेली गजरा नोगरोजी ॥ १६ ॥ टीकी फीकी भंवरजी होगईजी कोई हींगलुरे चढ्या एजीए सीवाल अब घर आवो गोरीरा बालमाजी ॥ १७ ॥ नरवल गडपर पड़ज्यो बीजलीजी कोई पड़ज्यो अचुंक्यो एजीए काल ज्युं डुल आवे गोरीरो सायेबो जी ॥ १८ ॥

जकड़ी नं० ५

सायेबा एक दुपट्टो आपां दोजणा मांचीछैजी सायबा माचीछै खींचा ताण नणदीरावीरा थारी म्हारी कैयां कांई बुणसी थेतो ल्यायाछो जी सायेबा ल्याया छो म्हांपर ल्होड़ी सोक नणदीरा बीरा थारी म्हारी कैयां कांइ बुनसी ॥ १ ॥

सायेबा सेर मिठाई आपां दोजण माचीछैजी सायेबा माच्चीछै लूटा लूट

नणदीरा बीरा थारी म्हारी कैयां कांई बुनसीः ॥ २ ॥

सायेबा छोटीने घड़ादे बीछिया बाजणा थारी बडीने जी सायेबा बडीने नोसर हार नणदीरा बीरा थारी म्हारी कैयां कांई बुणसी थेतो ल्यायाछो जी सायेबा ल्यायाछो म्हांपै ल्होड़ी सोक नणदीरा बीरा थारी म्हारी कैयां कांई बुणसी ॥ ३ ॥

सायेबा छोटीने रङ्गादे पञ्चरङ्गपोमचो थारी बडीनेजी सायेबा बडीने दखनीरो चीर नणदीरा बीरा थारी म्हारी कैयां कांइ बुणसी ॥ ४ ॥

सायेबा पोडण पीलङ्ग निवारको ओडणवो सायेबा ओडण साल दुसाल नणदीरा बीरा थारी म्हारी कैयां कांइ बुणसी थैंतो ल्यायाछो जी सायेबा ल्यायाछों

म्हां पर ल्होडी सोक नणदीरा बीरा थारी म्हारी कैयां कांई बुणसी ॥ ५ ॥

गीत बीकानेरी दुपट्टो नं० ६

अरज तूं सुण म्हारा भरतार मुजकूं असल दुपट्टो ल्यादे फूल गुलाबी बूटेदार असल दुपट्टो फूल गुलाबी जलदी मुजे रङ्गादे, मोती कीरण गोखरु जिसपर दादुर मोर छपादे, फेर तरह तरहकी बहार मुजकूं असल दुपट्टो ल्यादे फूल गुलाबी बूटेदार ॥ १ ॥

मैं मदभीनी खिल रही तोजी बाग खीलै चमेली, थे भंवरा अब रमो कलीनै परहाजर नारनहेली, थिर छतियां पकी अनार मुजकूं असल दुपट्टो ल्यादे फूल गुलाबी बूटेदार ॥ २ ॥

ओडर दुपट्टो आऊं महलमें सुन मेरा दिलजानी, मैं मदमाती केतकीतोजी

थेंछो भंवर लुभानी फिर करो परीसे प्यार मुजकूं असल दुपट्टो ल्यादे फूल गुलाबी बूटेदार ॥ ३ ॥

गीत बीकानेरी नं० ७

डेरा आछा बागमेंतोरे गहरी गहरी अमलारी छाये बाबुसा सुनत्तारयोजी दातण काची केलकोतोरे लोटे गङ्गाजल-नीर बाबूसा सुनतारयोजी बंदगी कुंणकरे गोरी। दुनियां भरमधरेगी, मरदनतेल चपेलरो तोरे न्हावण तातो नीर बाबूसा सुनतारयोजी। भोजनमें दोये दोवठा थाने सरसघेवरियांराभात,बाबूसासुनतारयोजी। बन्दगी कुनकरे गोरी दुनियां भरम धरेगी, मुखड़े मैडोडा एलची स थारो बीड़लो चोरटपान बाबूसा सुनतारेज्योजी, पोडण हींमलूरो ढोलियो थारे दलबादलरो सेज

बाबूसा सुनतारैज्योजी बन्दगी कुनकर मेरी ज्यान दुनीयां भरम धरेगी ॥ १ ॥

टप्पा नं० ८।

इण म्हलांसे कलंगी बालोउतर्‌यो तो ज्यानी सिरपर टोपी हाथ रुमाल ज्यानी सिरपर टोपी हाथरुमाल कीसीएक गोरी कीसो एक रसियो तो ज्यानी कीसी एक सेज कीसो तकियो। रेज्यानो कीसीएक सेज कीस्यो तकियो लंबीसो गोरो पतलोसो रसियो तो ज्यानी रङ्गम्हल बीच मांड्यो तकियो रे ज्यानी मांड्यो तकियो २ रूसगई गोरी खीजगयो रसियो तो ज्यानी ठिनकै लागी सेज रोवे तकियोरे ज्यानी रोवे तकियो। मनगई गोरी मनाये ल्यायो रसियो हंसण लागीसेज हंसै लाग्यो तकियो हंसण लागी सेज हंसण लाग्यो तकियो ॥

गीत जापेको चूड़ो नं० ९।

झाज नगरके बजारमैं म्हारे मनहट माडोछे हाट राजीड़ा लाल चूड़ो पहराव ॥ १ ॥छजांतो बैठी धणरो मनगयो मनहट उरैं बुलाए राजीडा लाल चूड़ो पहराव ॥ २ ॥ कैरे टकांरो थारो चूड़लो कैरे टकांकी गजभांत राजीड़ा लाल चूड़ो पहराव ॥ ३ ॥ अस्सी टकांरो म्हारो चड़लो लाखम्होर गजभांत राजीड़ा लाल चूड़ो पहराये ॥४॥ योकुंण चूडलेरो गायेकीजी म्हारो योकुंण खरचैलो दाम राजीड़ा लाल चूड़ो पहराये ॥ ५ ॥ रामचन्द्रजी चुड़लेरा गाएकोजी म्हारे लिछमणजी खरचैला दाम राजीड़ा लाल चूड़ो पहराये ॥ ६ ॥ बीचमें भरतजी लेगयाजी म्हारी प्यारी घण जायोछे पूत राजीडा लाल चूड़ो पहराव

॥ ७ ॥ कोकोना पंडत जोसियां म्हारे चुड़लेरो लगन दिखाये राजीड़ा लाल चूड़ो पहराये ॥ ८ ॥ आठे नोमी चतुरदसी पहरो ना बार दीतवार राजोड़ा लाल चूड़ो पहराये ॥ ९ ॥ कोकोना नणद सवासणी म्हारे चुड़लेरे राखो वन्दाये राजीड़ा लाल चूड़ो पहराये ॥ १० ॥ राखीतो बान्दा पीलै पाटकीजी म्हारे वीरेजीरो सरब सुहाग राजीड़ा लाल चूड़ो पहराये ॥ ११ ॥

सूंठ जापेकी नं० १०।

अब म्हाने सूंठ मुलाये द्यो बालमा एजीए जचा आवे म्हानेलाज सूंठ मुलावै म्हारो दादोजी गोरियां ॥ १ ॥ अबम्हाने घृत मुलायेद्यो वालमा एजीए जचाआवे म्हाने लाज घृत मुलावै म्हारो ताऊजी गोरियां ॥ २ ॥ अब म्हाने खांड मुलायद्यो

बालमा एजीए जचाआवे म्हाने लाज खांड मुलावे म्हारो बापूजी गोरियां ॥ ३ ॥ अब म्हाने लाडुड़ा संदाये द्यो बालमा एजीए जचाआवे म्हाने लाज लाडुड़ा संदावे म्हारो माऊजी गोरियां ॥ ४ ॥ अब म्हारा गिण गिण घालद्यो बालमा एजीए जचाआवे म्हाने लाज गिण गिण घाले म्हारी बाईजी गोरियां ॥ ५ ॥ अब म्हारे कनेथें मिलायेद्यो बालमा एजीए जचाआवे म्हाने लाज कनैए मीलाव म्हारी भोजाई गोरियां ॥ ६ ॥

कवोएतो व्हांसांमें सोएरवां गोरीयां हांजी ढोला व्हासांमें सोयोयेन जाये व्हासां बन्दैगीगेजीरा घुडला बालमा ॥ ७ ॥ कहोए ड ड्रियांमेंसोये रवां गोरियां एजीवो ढोला पोल्यांमे सोयोयेन जाये।

पोलोंमें सोवै गीगेजीरा पोलियां बालमा ॥ ८ ॥ कहोये आंगणमैं सोयेरवां गोरियां एजीवो ढोला आंगणमें सोयोयेन जाये आंगणमें सोवे गीगेजोरा हालीड़ा बालमा ॥ ९ ॥ कहोये रसोयांमैं सोयेरवां गोरियां एजीए ढोला रसोयांमें सोयोयेन जाये रसोयांमें सोवे गीगेजीरा रसोयां बालमा ॥ १० ॥ कहोये तोवारीमे सोयेरवां गोरियां एजीवो ढोला तीबारयांमे सोयोये नजाये तीबारीमैं पोढै गीगेजीरी भुवा जी बालमा ॥ ११ ॥

कवोये सालांमैं सोयेरवां गोरायां एजीवो ढोला सालांमैं सोयोयन जाये सालांमें सोवे गीगेजीरी दादीजी बालमा ॥१२॥ कहोये चोबारे मेंसोयेरवां गोरियांजी ढोला चोबारेमें सोयोनाजाये चोबारसोवै गीगेजीरी ताइजी बालमा ॥ १३ ॥ कहोये

रावटियांमैं सोयेरवां गोरीयां एजीवो ढोला
रावटियांमें सोयोनाजाये रावटियांमैं सोवे
मीगेजोरी चाचीजी बालमा ॥ १४ ॥ कहोये
पड़वेमें सोयैरवां गोरियां एजीवो ढोला
पड़वेमें सोयोयेन जाये पडवेमें ढाल्यो
जचारानी ढोलियो बालमा ॥ १५ ॥ कवो
ये पगांत्यां सोयेरवां गोरियां एजीवो
ढोला पगांत्या सोयोना जाये असीये
कल्यारो म्हारो घाघरो बालमा ॥ १६ ॥
कवोये सिराणे सोयेरवां गोरियां: एजीवो
ढोला सिराने सुत्योना जाये सिरानेमें सूकै
गीगेजीरा पोतड़ा बालमा ॥ १७ ॥ कवोतो
बराबर सोयेरवां गोरियां एजीवो ढोला
बराबरसोयोना जाये म्हे म्हारो गीगोराजा
पोडस्यां बालमा ॥ १८ ॥ कहोये: हीवड़े
पर सोयेरवां गोरियां जी ढोला हीवड़े पर
सोयोनाजाये हीवड़े पर हार हजारको

बालमा ॥ १९ ॥ ये जचा तेरे कितरो गुमान कदको ढोलो अरजी करै गोरियां ॥ २० ॥ जी ढोला आवैछी लाज अब क्युं फीरोजी उतावला बालमा ॥ २१ ॥

गीत मारवाड़ी सीठणा नं० ११

मैंरात पिया सङ्ग चोसरखेली रंमरंमहारी मैंरात पिया सङ्ग चोसरखेली॥ घालो घालो केकरोजी घालुदियो सारोः साकड़ नेफेमें जानू ठेलदियो नाड़ोः धण नारंजिया दुपटेमें झालो देवै छिनगारी मैंरात पियाजी सङ्ग चोसर खेली रमरम हारी ॥ १ ॥ घालोघालो केकरोजी होलाबोलो पियाः पुस्योड़ै प्यालैमें मद फेरुंपूरदिया मेरे पचरंगे नेफेपर सोवै ढलकत सारी मैं रात पिया सङ्ग चोसर खेली रंमरम हारी ॥ २ ॥ रातने बुलाई दारी संवारै क्युं आई लुक

छिप आवे म्हारे बङ्गलेके माई घुंघटका पटखोलो येबोलो म्हांसे मतुवारी मैरात पिया सङ्ग चोसरखेली रंमरंम हारी ॥३॥ दोपारां बुलाई दारी संज्यारे झटआई ऊंचीसी मैड़ीपर ज्यानी सेजड़ली बिछाई अङ्गियारी कसखोलो बोलो म्हांसे मतुवारीः मैरात पिया सङ्ग चोसर खेली रमरम हारी ॥ ४ ॥

जाडो न० १२

आज जाडेरा डेरा डूगरां मारूजी माख्या माख्या दादुर मोर जीथें समजो थें समजो जोड़ी बिनु जाडो ना डटे मारूजी ॥ १ ॥ जाडेका तीन्युं थोक सुहावणा मारूजी सोड़पिलङ्ग भरतारजी थें समजो समजो जोड़ी बिनु जाडो ना डटे मारूजी ॥ २ ॥ आज जाडेका डेरा

ढहरमें मारूजी माख्या माख्या हिरण
पचासजी थें समजो समजो जोड़ी बिन
जाड़ो ना डटै मारूजी जाड़ो तो जाड़ो
मतकरो मारूणा लेस्यांथाने हीवड़े
लगायेजी थें समजो समजो जोड़ी बिन
जाडो ना डटै मारूजी ॥ ४ ॥ आज
जाडैका डेरा बागमें मारूजी माख्याछै
ढाड़ूदाषजी थें समजो समजो जोड़ीबिन
जोडो ना डटै मारूजी ॥ ५ ॥ आज जाडै
का डेरा स्हरमें मारूजी माख्याछै हटुवाजी
लोगजी थें समजो समजो जोड़ीबिन
जाडो ना डटै मारूजी ॥ ६ ॥ जाडो तो
जाडो केकरो मारूणी जाडोछै चतुरांको
फूलजी थें समजो जोड़ीबिन जाडो ना
डटै मारूजी ॥ ७ ॥ आज जाडैका डेरा
पोलमैं मारूजी माख्या माख्या हेडीवानजी

थें समजो समजो जोड़ी बिन जाडो ना डटै मारूजी॥ ८ ॥

आज जाडैका डेरा चोकमैं मारूजी मार्‍याछै चौकीदारजी थें समजो समजो जोड़ीबिन जाडो ना डटै मारूजी ॥ ९ ॥ जाडैका तीन्यूथोक सुहावणा मारूजी सोड़ पिलङ्ग भरतारजी थें समजो समजो जोड़ीबिन जाडो ना डटै मारूजी ॥ १० ॥ आज जाडैका डेरा रसोईयां मारूजी मार्‍याछै ठाकुर लोगजी थें समजो जोड़ी बिन जाडो ना डटै मारूजी ॥ ११ ॥ आज जाडैका डेरा म्हलमैं मारूजी मारोछै परदेसीरी नारजी थें समजो समजो जोड़ीबिन जाडो ना डटै मारूजी ॥ १२ ॥

गीतगरमीरी जकड़ी नं० १३ ।

हांजो मैं हरो घाघरो ना पहरूं गरमो मैं मुलमुलको मुलमुलको थान मंगादोजी थारी घणनैः म्हारो नाजक जीव घबरावे जी गरमीमैं । खस खसको खस खसको पङ्खो मंगाद्योजीथारी धणनै ॥ १ ॥ मैं मोठ बाजरो नां खाऊं गरमोमैं, जीन्दवारा जीन्द वारा भात मंगादो जी थारी धणनै, म्हारो नाजक जीव घवरावैजीगरमीमैं, बीजलीरो बीजलीरो पंखो लगादो जी थारी धणनै ॥ २ ॥ मैं आङ्गी कबजोनां पहरूं गरमी मैं जालीकी कवजीं सिमा दोजी थारी धननै, म्हारो नाजक जीव घबरावैजी गरमी मैं, बीजलीरो बीजलीरो पंखो लगादोजी थारी घणनै ॥ ३ ॥ मैं साल चोगरै नहीं पोढूं गरमी मैं, खसखसको बङ्गलो बन्दा

दोजी थारी घणनें, म्हारो नाजक जीव घबरावैजी गरमीमें, बीजलीरो पङ्खो लगादोजी थारी घणनें ॥ ४ ॥ बद्रीलाल मोलीसरिया—

टप्पो नं० १४

ओड कसुमल चूंदड़ीरे बङ्गलेपर ठाड़ी हांरे बङ्गलेपर ठाड़ो। आयो इन्द्रराजा आयो इन्द्रराजा ज्यानीवो झड़ीतो लगाई भींजेकसुमल चून्दड़ीरे गहरे रङ्गकीरे धाई हांरे गहरे रङ्गकीरे धाई कांचुकी कस कांचुकी कस ज्यानीवो जरदी छाई ॥ १ ॥

टपा नं १५

एक बरसका बारा महींना तो कदेना बोली मेरे कांचुकी तणीरे इस व्यायेड़े बालमसे कुंवारी भली। चान्द सुरजसे गोरीये गरव मा करना आंकिये अरगदि

चलना जांकैये अरगदे चलना। सासु नणदसे गोरिये गरब नहीं करना जांकैये पगां लग चलना जांकैये पगां लग चलना। पराये पुरसका गोरीये गरब नहीं करना जांकैये ठोकर देचलना जांकैये ठोकर दे चलना। घोर जिठानीसे गरब भल करना जांकैयै बराबर चलना जांकैयै बरावर चलना। आपकै वालमका गरब भल करना जांकीये सैंनामें चलना जांकैये सैना मैं चलना।

चौमासो नं १६

हांवो म्हारा साएबा इन सरवरीये रीपाल आम्बा दोये आंवला जी म्हारा राज आम्बा दोये आंवला ॥ १ ॥ हांजी म्हारा साएबा इण आमलडारी डाल हिंडोलो राजन घालस्यांजी म्हारा राज

हिंडोलो राजन घालस्यांजी म्हारा राज ॥ २ ॥ हांवो म्हारा साएबा हिडेली घरकी जी नार झोटा दे झोटा देधणरो साएबारे जी म्हारा राज झोटादे धणरो सायेबो म्हारा राज ॥ ३ ॥ हांजी म्हारा साएबा हलवासी झोटोजी द्योये कमरमैं कमरमैं लचको लगेजी म्हारा राज कमरमैं लचको लगेजी म्हारा राज ॥ ४ ॥ हांये म्हारी गोरी लगै छैतो लगणैजी द्योये लाडुड़ा संदवादूं सठवा सूंठकाजी म्हारा राज लडुड़ा सठवा सूंठकाजी म्हारा राज ॥ ५ ॥ हां वो म्हारा सायेबा हलवासी झोटोजी द्योये फाटैछै फाटेछै म्हारी चून्दड़ीजी म्हारा राज फाटै छै म्हारी चून्दड़ीजी म्हारा राज ॥ ६ ॥ हांजी म्हारी गोरी फाटैछै तो फाटण द्योये रङ्गादूं मङ्गादूं अजमेरकीजी म्हारा राज मंगादूं अजमेरकीजी म्हाराराज ॥ ७ ॥ हां

जी म्हारा मारू'जी रात गई आदी रात मोड़ा तो क्युं आईयाजी म्हारा राज मोड़ा क्युं आइयाजी म्हाराराज ॥ ८ ॥ हांये म्हारी गोरी गया था भायेलारै मायेंहुक्कै ता हुक्कै तो बिलमायीयाजी म्हाराराज, हुक्कै तो बीलमाइयाजी म्हारा राज ॥ ९ ॥ हांजी म्हारा सायेबा जाजम देवुंरे उठाये साथांने राजन सीखद्योजी म्हारा राज ॥ १० ॥ हांजी म्हारा मारू'जी हुक्को चकना चूर चिलमका चिलमका टुकड़ा करूंजी म्हारा राज चिलमका टुकड़ा करू'जी म्हारा राज ॥ ११ ॥ हां वो म्हारा मारूजी मुखड़ेमें आवै भूंढी बास तमाखू तमाखू राजन छोड़द्योजी म्हारा राज तमाखू राजन छोडद्योजी म्हारा राज ॥ १२ ॥ हांवो म्हारा राजन मुखड़ेपर पलोजी राल अपूठा अपूठा राजन सोयेरवोजी म्हारा

राज अपूठा राजन सेग्रेरवोजी म्हारा राज ॥ १ ॥ हांजी म्हारी गोरीये इसडा बोलन बोल परणीज्युं परणोज्युं थां पर दूसरीजी म्हारी नार परणोजूं थांपर दूसरोजी म्हारा राज ॥ १३ ॥ हां वो म्हारा साएबा दिनमें परणो दोये च्यार डराई डराई थारी ना डरूं जी म्हारा राज डराई थारो ना डरूं जी म्हारा ॥ १४ ॥ हांजी म्हारा साएबा फिरी आया देस परदेस डङ्कोतो बाजैछै म्हारे बापकोजी म्हारा राज डङ्को तो म्हारे बापको जो म्हारा राज ॥ १५ ॥ हांजी म्हारा मारूंजो फिर आया देस परदेस मिलीना मिलीना थाने डूमणीजी म्हारा राज मिलीना थाने डूमणोजी म्हारा राज ॥ १६ ॥ हांजी म्हारी गोरी एक बर मुखड़ेजी बोल चाकरतो चाकरतो थारे बापकोजी म्हारी नार चाकरतो थारे

बापकोजी म्हारा राज ॥ १७ ॥ हांजी म्हारा मारूजी चाकर कयोयेन जाये जवाई जंवाई म्हारे बापकाजी म्हारा राज जंवाई म्हारे बापकाजी म्हारा राज ॥ १८ ॥

हांजी म्हारी गोरी एकवर मुषड़ेबोल चाकरतो चाकरतो थारै जीवकोजी म्हारी नार चाकरतो थारै जीवकोजी म्हारा राज ॥ १९ ॥ हांजी म्हारा मारूजी चाकर कैयोयेन जाये ठाकरतो ठाकरतो म्हारी सेजकाजी म्हारा राज ठाकरतो म्हारी सेजकाजी म्हारा राज ॥ २० ॥ हांजी म्हारा मारूजा जाजम देउंतो विछाये साथांनै साथांनै राजन बैसनाजी म्हारा राज साथांमै राजन वैसनाजी म्हारा राज ॥ २१ ॥ हांजी म्हारा मारूजी हुक्को देउं तो मंगाये चिलमतो चिलमतो रत्तन जड़ाव कीजी म्हारा राज चिलमतो रतन

जड़ावकीजी म्हारा राज ॥ २२ ॥ हांजी म्हारा मारूजी बलगयो दमड़ीरो तेल अबोल्या राजन रहगयाजी म्हारा राज अबोल्या राजन रह गयाजी म्हारा राज ॥ २३ ॥ हांजी म्हारा साएबा दिलकीतो घुंडीजी खोल माणुना माणुना हाजर गोरड़ीजी म्हारा राज माणुना हाजर गोरड़ीजी म्हारा राज ॥ २४ ॥

नागजी मारवाड़ी नं० १७।

नागजी घड़ीदोये घुड़ला थामरेः वैरी घुंगटरी छैयांकरूं वोनागजी ॥ १ ॥ नागजी तावड़ियो पापीपड़ै हांरे वैरी घाएल करदी तावड़ैवो नागजी ॥ २ ॥ नागजी मन लोभी मंन लालचीरे वैरी मन चंचल मन चोरजी नागजी मनरे मतयेन चालिये रे वैरी पलक पलक मन ओररे नागजी

॥ ३ ॥ नागजी तड़क तड़क मत तोड़रै बैरी कत्तवारीरै तारज्यंवो नागजी ॥ ४ ॥ नागजी ज्युंटुटै ज्युंजोड़रे बैरी प्रीत पुरानी ना पड़ेवो नागजी ॥ ५ ॥ नागजी नागर बेलड़ीरे बैरी पसगैज्यूं फूलै नहींवो नागजी ॥ ६ ॥ नागजी बालक पणरी प्रीतरे बैरी वीछरैपण भूलै नहींवो नागजी नागजी माल पुवैको टूकरे बैरी जीभ्यां अड़योनै तालबैवो नागजी ॥ ७ ॥ नागजी सूत्यां खूंटीताणरे बैरी बतलायो बोल्यो नहींवो नागजी ॥ ८ ॥ नागजी खायो खजानैरो मालरे लूण हरामी होगयोवो नागजी ॥ ९ ॥ नागजी एकबर घुड़लो म्होड़रै बैरी मनड़ैरी बांतांमैं कहूरै नागजी ॥ १० ॥

नागजी भली निभाई प्रीतरे बैरी नैंनाबिछोवो करैचल्यावो नागजी ॥ ११ ॥

नागजी रमता एकण सङ्गरे बैरी सबरङ्ग फीका तैं कस्यावो नागजी ॥ १२ ॥ नाग जी रहता एकज साथरे बैरी रातविछोवा तैं कस्यावो नागजी ॥ १३ ॥ नागजी क्या बेस्यांकी प्रीतरे बैरी क्या गांडूकी दोस्ती- ओ नागजी ॥ १४ ॥ नागजी सोता एक पिलङ्गरे बैरी न्यारा न्यारा तैं कस्या नागजी ॥ १५ ॥ नागजी टोकोफीकी पड़गईरे बैरी कजलो वह गयो नैनकोरे नागजी ॥ १६ ॥ नागजी होयेउमंगो वादलीरे बैरी नैना बरसै मेहजीवो नागजी ॥ १७ ॥ नागजी तेरी मेरी कदेरी प्रोतरेबैरीतूं दिल्ली मैं आगरे वो नागजी ॥ १८ ॥ नागजी माखन छोसोतैं लियोरे बैरी रहगई खांटी छांछरे वो नागजी ॥ १९ ॥ नागजी दीख तरो रजपूतरे बैरी जातजुलावो नीसख्यो वो नागजी ॥ २० ॥ नागजी एकबार

मुखड़ै बोलरे बैरी आस निरासी मतकरै ॥ २१ ॥

गीत हथरसिया चाल न० १८ ।

जिनूंका मनमिलाहोगा लड़ेसैं क्या जुदा होगा तुम्हारे तालकै नीचै तलैया हम वनावैंगेः पकड़ केहाथ राजाको तलैया हमदीखांवैंगे तलैयां छोडके प्यारो तुमारै पास आवैंगेः जिनूंका मनमिला होगा ॥ १ ॥ तुम्हारे बागकै नीचै बगीची हम बनावैंगे पकड़के हाथ ज्यांनाका बगीची सङ्ग ल्यावेगे। बगीची छोड़के प्यारी तुम्हारे बाग आवेंगे जिनूका ॥ २ ॥ तुम्हारे म्हलके नीचे अटरियां हम बनावैंगे पकड़के हाथ राजाका अटरियां सङ्ग ल्यावैंगे, अटरियां छोडके प्यारी म्हारे म्हल आवेंगे ॥ ३ ॥ तुम्हारी सेजकै नीचै पल-

किया हम बिछावेंगे पकड़के हाथ ज्यानीका पलकियां सङ्ग ल्यावेंगे, पलकियां छोड़के प्यारी तिहारी सेज आवेंगे जिनूका मन मिला होगा लडेसे क्या जुदा होगा ॥ ४ ॥

॥ प्रथम भाग समाप्त ॥

इसके दूसरे भागमें बहुत बढ़िया बढ़िया गीत दिये जावेंगे जैसे कि अभी-तक आप लोगोंके पढ़नेमें नहीं आये।

Printed by Durga Prasad Gupta at the B. L. Press, 1/4, Machoa-Bazar Street, Calcutta.

नया

मारवाड़ी गीत ।

दूसरा भाग ।

या पोथीके मांई उमराव, चनणा, बूढ़ो बालम गीत नणद भावजको जुवाब सुवाल देवर-को गीत नणदोईको गीत आदि अनेक भांतिके लुगांयांको गीत छै ।

संग्रह कर्त्ता और प्रकाशक—

निहालचन्द वर्म्मा ।

दूसरी बार १०००] सं० १९७३ [दाम ।) आना ।

Cover printed at the Burman Press, Calcutta.

मारवाड़ी गीत ।

दूसरा भाग ।

दोहा ।

जय जय जय गिरजा तनय,
मंगल मूरति खास ।
मंगलमें मंगल करहु,
बिनवत यह तुव दास ॥

उमराव

आबू चिमके बीजली सीकर वरषे मेह जी उमराव थारो पचरंग पेचो भीजे मेरी ज्यान ॥ १ ॥

राजन चाल्या चाकरी कांधे भर बन्दूक, के तो सागे ले चलो के कर डालो दो टूक । उमरावजीवो रसिया ॥ २ ॥

साजन चले दिसावरां, पगमें उलझी डोर। पीछा फिरकें देखियो थारे घनलारां गणगोर ॥ उमरावजीवो रसिया ॥ ३ ॥

फूल गुलाबी पोंमचो, पड़्यो विरङ्गो होय। मे मेरी माके लाड़ली कद मुक-लावो होय ॥ उमरावजो थें तो ल्यावण पधारो मेरी ज्यान ॥ उमरावजीवो रसिया ४ ॥

मे मेरी माके लाडली, मोत्यां बीचली लाल। सासूको अनखावनी मेरो राजन आगे न्याव ॥ उमरावजीवो रसिया ॥ ५ ॥

आटी डोरा कांगसी, सीस गुथावन जाय। सामी मिलगो साएबो, मेरी छाती धड़को खाय ॥ जी उमाराव थारी बोली हीरा तोली मेरी ज्यान ॥ उमराव जीवो रसिया ॥ ६ ॥

बैंगन तो काचा भला पाका भला अनार, प्रीतम तो पतला भला मोटा, जाट गवांर। जी उमराव थारी चाल प्यारी लागे मेरी ज्यान॥ उमरावजीवो रसिया॥ ७॥

अव्वल सकड़ी कोठड़ी, दूजी काजल रात। तीजो सकड़ो ढोलियो, मतवालेको साथ॥ जी उमाराव थारी सूरत प्यारी लागे मेरी ज्यान॥ उमरावजीवो०॥ ८॥

प्रीतम तुम मत जानियो दूर देशको वास, खोड हमारी यहां पड़ी प्राण तुमारे पास। जी उमराव थाने किन सोकन बिलमाया मेरी ज्यान॥ उमरावजी०॥ ९॥

डूंगर ऊपर डूंगरी सोनो घड़े सुनार, मेरी घड़दे पेंजनी मेरे प्रीतमको कड़भार। जी उमराव थारी सूरत प्यारी लागे मेरी ज्यान॥ उमरावजी०॥ १०॥

साजन खाई काकड़ी मे खायो खरबूज राजन राखी जाटनी मे राख्यो रजपूत। जी उमराव थारी चलगत प्यारी लागे मेरी ज्यान ॥ उमरावजी० ॥ ११ ॥

साजन गये तो वह गये दे गये परबत पूठ। छतियां ऊपर लेटता कदेना कहतो ऊठ ॥ जी उमराव थारी बोली प्यारी लागे मेरो ज्यान उमरावजी० ॥ १२ ॥

पीवजी बसे दिसावरां, हमें दई छटिकाय। कागद हो तो बांचल्युं करम न बांचो जाय। म्हाने बातांमें बिलमाई मेरी ज्यान ॥ उमरावजी ॥ १२

डूंगर ऊपर डूंगरा, डूंगर ऊपर कैर। कर मुकलावो छांड़ गयो तेरो मेरो कदको बैर ॥ थारी ओलू म्हाने आवे मेरी ज्यान। उमरावजी० ॥ १४ ॥

जयपुरके बाजारमें लम्बी बंधी खजूर।
चढ़ूं तो चाखूं प्रेम रस पडूं तो चकना
चूर॥ उमरावजी० ॥ १५॥

अगर चन्दनको ओढ़णूं ओढूं वार
त्युवार। पीवजी कहे गोरी ओढ़ ले मेरी
सासु झुलस्यां खाये॥ उमरावजी० ॥ १६॥

आंगण पड़ियो काचरो लावण सुं गुड़
जाय। बिना अकलको साएयो सेजां सुं
उठ जाय॥ उमरावजी० ॥ १७॥

काची कली अनारकी पाकन दो दिन
चार। खातां लागे खांडसी अन्त पराई
नार॥ ओ सिरकार थें तो काच्यांने मत
तोड़ो मेरी ज्यान॥ उमरावजी० ॥ १८॥

ओछे पाया ढोलियो सेजां लाल गुलाल।
हुकम होय सिरकारको रल मिल सोवां
साथ जी उमराव आपां सेजां रल मिल
सोवां मेरी ज्यान॥ उमराजी १९॥

सावण परली ठेकरी घस घस पतली होय ॥ परदेशीकी गोरड़ी झुर झुर पींजर होय ॥ ओ सिरदार म्हाने एकवर सुरत दिखाओ मेरी ज्यान । उमरावजी० ॥२०॥

पियो आयो परदेशसे जाजम दई बिछाय । मन तनको फेर पुछस्यां हिवड़े लई लिपटाय ॥ जी उमराव थारी बोली प्यारी लागे मेरी ज्यान ॥ उमरावजी ॥२१॥

जयपुरके बाजारमें जी च्यार लुगाई आय । दो गोरी दो सांवली जो दो दो फलका खाय ॥ ओ उमराव थांने झाला देर बुलाव मेरी ज्यान । उमरावजी० ॥२२॥

जौन सील राजन बैठता वो सोल सदा सुरंग । सील दीख पाजन नहीं म्हारे बहै कटारो अंग ॥ ओ दिलदार म्हारो अब

क्यों अंग जलाओ मेरी ज्यान । उमरावजी ॥ २३ ॥

साजन आया हे सखो कर म्हारो सिणगार। कांई चूक विचारके ना बोल्या भरतार ॥ ओ सिरदार म्हारे तनकी तपत मिटावो मेरी ज्यान । उमरावजी० ॥ २४ ॥

पीव पधारया सेजमें हरो बदनकी त्रास। ख्याल मचायो कोकको पूरी म्हारी आस ॥ गोरी पर जुलम गुजारारे मनभरिया मेरी ज्यान । उमरावजी० ॥ २५ ॥

ननद् भावजको जवाब सवाल

कोठेसे आई सूंठ कोठे सेआयो जीरो, कोठेसे आयो ये भोली बाई थारो बीरो ॥ १ ॥ जयपुरसे आई सूंठ दिल्लीसे आयो जीरो। कलकत्तेसे आयो ये भोली भावज म्हारो वीरो ॥ २ ॥ कायमें आई

सूंठ कायमें आयो जीरो । कायमें आयो ये भोली बाई थारो वीरो ॥ ३ ॥ ऊंटामें आई सूंठ गाड़ीमें आयो जीरो रेलांमें आयो ये भोली भावज म्हारो वीरो ॥ ४ ॥ कायमें चाय सूंठ कायमें चायो जीरो। कायमें चाय ये भोली बाई थारो वीरो ॥ ५ ॥ जापेमें चाय सूंठ यों सागां सवांरे जीरो। सेजांमें चाय ये भोली भावज म्हारो वीरो ॥ ६ ॥ खिंड गई सूंठ बिखर गयो जीरो। योरूस गयोये भोली भावज म्हारो वीरो ॥ ७ ॥ चुग लेस्यां सूंठ पछाड़ लेस्यां जीरो। मनाय लेस्यां ये भोली ननद थारो वीरो ॥ ८ ॥

बूढ़ो बालमको गीत।

ज्वानी म्हारा सज सोला सिणगार बूढ़लकी सेजां धन गई वो मेरा स्याम बूढ़-लकी सेजां धन गई ॥ १ ॥

ज्यानी म्हारा ले डिबलो ले बात बूढ़ल की सेजां धन गई वो मेरा स्याम। बूढ़ल की सेजां धन गई ॥ २ ॥

ज्यानी म्हारा एक वर पल्लाये उघाड़ सिराणे ऊभी पद्मणी वो मेरा स्याम। सिरणे ऊभी पद्मणी ॥ ३ ॥

गोरी म्हारी आखांके फिरगयो कांच कनपट्यां धोला आ गया ये मेरी नार। धोला आ गया ॥ गोरी म्हारी डगमग हाले छे नाड गोडांमें पानी पड़ गयो ये म्हारी नार गोडांमें पानी पड़ गयो ॥ ४ ॥

ज्यानी म्हारा मरूं जहर विष खाय बूढ़ने बेटी क्यों दई ये मेरी माय, बूडलने बेटी क्यों दई ॥ ५ ॥

गोरी म्हारो दमड़ांरो लोभी थारो बाप मायारो लोभन मावड़िय मेरा जान। मायारी लोभन मावड़ी ॥ ६ ॥

गोरी म्हारो जीमों थें जिनआरा भात ओडोन सेला बाफता ये मेरी ज्यान, पहरोन सेला बाफता ॥ ७ ॥

ज्यानो म्हारा नदियां भुवाउं चोवल दाल कुवेमें सेला बाफता वो म्हारा स्याम कुवेमें सेला बाफता ॥ ८ ॥

ज्यानी म्हारा फीको लागे सिणगार उमगा जोबनवां ना डटै वो म्हारा स्याम। उमगा जोबनवां ना डटे ॥ ९ ॥

ज्यानो म्हारो कड़वा सा बोल न बोल कदे ये तो कबड्डी खेलता मेरी नार कदे तो कबड्डी खेलता ॥ १० ॥

गोरी म्हारी छैल दिसावर जाय। बूडलो तो सेजमें सोवे म्हारी नार बुडलो तो सोवे सेजमें जो॥ ११ ॥

गोरी म्हारी बुडलेका दूरा तीरा पूत छैलाको डाले बांझड़ी ये म्हारो नार छैला की डाले बांझड़ा ॥ १२ ॥

गोरी म्हारी छैला खरीदे गुड़ खांड बुडलो तो करड़ा खोपराये मेरी ज्यान ॥१३॥ गोरी म्हारी छैल करये उधार, बूड़लो देवे तो रोकड़ी ये म्हारो नार ॥ १४ ॥

गीत देवरको।

आमो स्वामी बाग देवरिया नित उठ बागां जावो जी। इन फूलांके कारण देवर

प्यारा लागो जी ॥ देवर म्हारा जी देवर म्हाराजी हरखीला देवर भाबीने प्यारा लागोजी देवर म्हाराजी ॥१॥ आमी स्यामी हौद दिवरिया नित उठ न्हावन जावोजी इन न्हावणके कारण देवर प्यारा लागो जी, देवर म्हाराज़ी ॥ २ ॥ आमी स्यामी पोल देवरिया नित उठ आओ जाओजी इन आवनके कारण देवर प्यारा लागोजी देवर म्हाराजी ॥ ३ ॥ आमी स्यामी महल देवरिया नित उठ पोढन आवो जी। इन पोढनके कारण देवर प्यारा लागोजी देवर म्हाराजी हरखीला देवर भाबीने प्यारा लागोजी देवर म्हारा जी ॥ ४ ॥

गीत जीजाजीको

प्यारा लागोजी जीजाजी जुगवाला लागोजी, ओजी म्हारी बाई ओ सीताका

कन्थ भणेई म्हाने प्यारा लागो जी ॥ १ ॥ महमद घड़ाद्योजी जीजाजी म्हाने बाजूबन्द घड़ाद्योजी ओजी म्हारी रखडीरा दावेदार भणेई म्हाने प्यारा लागोजी ॥ २ ॥ गलपटियां घड़ाद्योजी जीजाजी म्हाने गलसरी गढ़ाद्योजी म्हारी कंठीरा दावेदार भणेई म्हाने प्यारा लागो जी ॥ ३ ॥ झुटण घड़ाद्यो जी जीजाजी म्हाने सांकला घड़ाद्यो जी ओजी म्हारा झुमकारा दावेदार भणेई म्हाने प्यारा लागोजी ॥ ४ ॥ दावण सिमा दो जी जीजाजी म्हाने धोती रंगाद्यो जी ओजी म्हारी चूनड़ीरा दावेदार भणेई म्हाने प्यारा लागोजी ॥ ५ ॥

गीत जवांइको

हांरे बाला इन सरवरियांरे पाल जवांई धोवे धोतियां जी म्हारा राज ॥ १ ॥ हांरे

बाला न्हाय धोये करो असनान जवांई बाल्या सासरेजी म्हारा राज ॥ २ ॥ हांरे बाला कुण्यारा रावतिया रजपूत कुण्यारा आया पावनाजी म्हारा राज ॥ ३ ॥ हांरे बाला बाबाजीरा रावतिया रजपूत सुसरा जीरा आया पावणाजी म्हारा राज ॥ ४ ॥ हांरे बाला साथीड़ाने पोल उतार जवांई आनण चौकमेंजी म्हारा राज ॥ ५ ॥ हांरे बाला साथीड़ाने दातन खाय जवांई दांतण कैर कोजी म्हारा राज ॥ ६ ॥ हांरे बाला साथीड़ान लोटो दिखाय जवांई झारी सुवर्णकी जी म्हारा राज ॥ ७ ॥ हांरे बाला साथीड़ाने भात पसाय जवांई घेवर छाटवांजी म्हारा राज ॥ ८ ॥ हांरे बाला साथोड़ाने घोर घलाय जवांई डलीये कपूरकी जी म्हारा राज ॥ ९ ॥ हांरे बाला साथीड़ाने चांद उदास जवांई महल दीबो

जगेजी म्हारा राज ॥ १० ॥ हांरे बाला साथीड़ाने दासी दिवाय जवांई सीता सोवणी जी म्हारा राज ॥ ११॥

गीत शीतलाको

माता ये रामचन्द्रजीकी पाग सलामत राखिये म्हारी सेडल माय। भउये सीतलको चूड़लो इब छल राखिये म्हारी माय ॥ १ ॥ माता ये इसरजीरी पाग सलामत राखिये म्हारी सेडल माय। भऊये गौरलको चूड़लो इब छल राखी ये मोरी माय ॥ २ ॥ माताये मंगलचन्दकी पाग सलामत राखिये म्हारी सेडल माय। भउये बनड़ो को चूड़लो इब छल राखीये मोरी माय ॥ ३ ॥

माता ये दुर्गादत्तकी पाग सलामत राखिये म्हारी सेडल माय। भऊये वनड़ीको चूड़लो इब छल राखिये मोरी माय ॥ ४ ॥

गीत माताजीको

तुजुग जलमिया बालक तेरा मेरी माय अब क्यों न बकस माय उगण हंस बालक तेरड़ा देवीदास माई नाम जाय माया माये मनावणा देवीदास ज्युं समजावणां ॥ १ ॥

पातर नाचे धरम दुवार मेरी माय भलोये राजन पार उतार बिप्र पोथी बांचिया तेरे भवन होत पूजा बाहर पातर नाचिया। तेरो हरयो पीपल धजा जोगनो में मोतियां जाजा पखेरू मे पाव परसे बार पातुर नाचिया ॥ २ ॥

गावो बजावो जात आवो सकल पूरब मनरली। घर दूध पूत अटूट लक्ष्मी मन चीत्यां पाईये ॥ मेरो पुरस घर आईया। जाती डारी बेल बदाईया ॥ ३ ॥

गीत कालीजी को ।

मांताके द्वारे हरो हरो पीपल धजा फहूंके असमान मेरी सांची मैया तेरे भाव की भूखी । दरसन दे माय परसन होये जाय तेरे भावकी भूखी ॥ १ ॥ मैयाके माथे मैंमद सोहे रखड़ीरो अजब सहाग॥ मेरी॥२॥ मैयारे कानाने कुण्डल सोहे बेसरको सरब सुहाग ॥ मेरी ॥ ३ ॥ मैयारो बायें बाजूबन्द सोहे नौगररो अजब सुहाग छालारी लग-रही भारी मेरी सांची माये ॥ ४ ॥मैयारी कड़ी करधनी सोहे पायलरो अजब सुहाग पोलारी लगरही चार मेरी साची माय ॥५॥ मैयारी द्वारे आन्दलिया पुकारे लेर लोयेन घर जाय मेरी काली मैया तेरे भाव की भूखी ॥ ६ ॥ मैयारी द्वारे निरधनियां पुकारे

ले अनधन घर जाय मेरी माय ॥ ७ ॥
मैयारी द्वारे बांजड़िया पुकारे लेय पुतर
घरजाय मेरी माय ॥ ८ ॥ माईके द्वारे विप्र
जीमते हैं भोग लगे खीरको मेरी माय ॥ ९ ॥

चनणा

तीजण चुगरो चनणा म्हे सुण्यो जी
कोई सहेल्यां पड्यो रमझोल अम्बा तेरी
पूछे चनणा के हुई जी ॥ १ ॥

म्हारी तो लग गई रामुड़सूं दोस्तीजी
कोई भिड़ गया भीतर नेह अम्बा मेरी
पूछेरक मनड़ा के कहूं जी ॥ २ ॥

बतलायेसे एक लाडो बोले नहीं क्यूं भयो
चित्त उदास सांची तो सांची चनणा थे
कहो ॥ ३ ॥

हंसली का डांडो एक अम्बा मेरी टूट्
गोजी कोई गई गई रामुड़की हाट झूठो चुगलो
एक सखी ये कर रही ॥ ४ ॥

टगटग महलां जीक साथन चढ़ गई
आई आई रानीजीके पास रानी तो पूछे
आवन थारो क्युं भयो जी ॥ ५ ॥

तीजण चरखजी चनणा जावती।
न गई सहेल्यां मायं। म्हारोतो आवण
राणी यूं भयो जी ॥ ६ ॥

म्हारी तो चनणा एक सहियो अचपली
जी कोई पड़ गई बाण कुबाण। गली तो
गलीका ल्यावे ओलमा जी ॥ ७ ॥

थारी तो चनणा राणी सोवणी। कोई
पड़ गई बाण कुबाण। दोस्ती लगाली जी
के रामुड़ सुनार सूं जी ॥ ८ ॥

टग टग म्हलां जीक राणीजी चढ़ गई

गई गई राजा जीके पास ।झटक दुशालो जीक कोई राव जगाया जी ॥ ९ ॥

राणी तो राजाजी दोनुं भेला हुआ जी कोई सुण राजा मेरी बात । चनणाने भेजो जीक चनणा के सासरे ॥ १० ॥

के म्हारी चनणा येक राणी जी अच पलीजी । के कोई पड़ गई बाण कुबाण । किसविद् भेजां येक बाईने सासरे ॥ ११ ॥

ना थारी चनणाजी अचपली कोई पड़ गई बाण कुबाण । गली तोगलीका ल्यावे ओलमा ॥ १२ ॥

ल्यावो न राणीजी कागद् दसतरो जी ल्यावो ल्यावो कलम दवात कागदिया लिख भेजों जीक चनणा के सासरे ॥ १३ ॥

एवड़ छेवड़ लिखदो बीनती बीच बीच सात सलाम बेग पधारो जीक जवांई म्हारा पावणा ॥ १४ ॥

कोरासा कागद जीक राजा जी लिख दिया, देदिया ओठीड़रे हाय । दिन तो उगाज्यो येक चनण।के सासरे जी ॥ १५ ॥

आदी ढलता ओठीड़ा रलकियाजी कोई चाल्याछै माजल रात । दिन तो उगायो जीक रिसालूके देस मेंजी ॥ १६ ॥

भरी तो कचेड़ी जीक रिसालू राजा बैठिया कासिद करी सलाम। कागद राल्यो जीक राजा जी की गोद में ॥ १७ ॥

कुण्या जीरा भेजाजी ओठीड़ा अईया। कुण्या जीरा लणियार सांची तो सांचीरे ओठीड़ो थें कहो ॥ १८ ॥

राजा जी का भेजाजी कुंअर म्हे आइया। थारे घर लणियार। सासूजी बुलाया जी पधारोजी सासरे ॥ १९ ॥

डेरालो करल्यो जी चम्पा बाग में

करलाने नीरो नागरबेल। घणी मिजमानी जी करस्यां आपकी ॥ २० ॥

घुड़लारे दानो राजाजो घर घणो। कर लाने घणी म्हारे बेल। सासूजी उडोके जी पधारो सासरे ॥ २१ ॥

कागद बांच्या जी कुंअरजी सिर धुण्यूं चित्तमें भया उदास। सिरको दुशालो कुंअरको गिर पड़ो जी ॥ २२ ॥

ल्यावोना अम्बा जी पांचू कापड़ा ल्यावोन पांचो हथियार तड़के तो जास्यां समरथ सासरे ॥ २३ ॥

के थारे सासुयक अनमणी के थारे सासुरे के चढ़गई ताप आज उण मणा बेटा मेरा क्युं फिरे ॥ २४ ॥

न म्हारे सासुयक अम्बा उणमणी, न

म्हारे ससुरेके चढ़ गई ताप। सासुजी बुला या येक जास्यां सासरे ॥ २५ ॥

भायला तो लेल्योजी कुंवर थारे जोड़का सारीसा उमराव घणी तो गुमर सुं पधारो सासरे ॥ २६ ॥

बड़े तो घरोंका बेटा मेरा डावड़ा राजाजीरा पूत । जात कुहावे छत्री आपणी ॥ २७ ॥

सगली तो तैयारी अम्बा मेरी हो चुकी अब म्हाने देसीख बेग पधारां जीक समरथ सासरे ॥ २८ ॥

आदो सो ढलताजी रसालू राजा रल-किया कोई चढियाछे मांझल रात। दिन तो उगाया जीक चनणा के देशमें ॥ २९ ॥ आंगन मोचा कुंवरका खुड़किया चलिया ठीमक्यो सेल भताई पधारया जीक कुंवर

प्यारा पावणा ॥ ३० ॥

चनण चौकी कुंअरजी बैठणे दूध पाखाला पाव घणी मिजमानी जीक करस्यां आपकी ॥ ३१ ॥

चावल रांदा कंवरजी ऊजला जी हरे-हरे मुंगाकी दाल, घी बरतारु'जी कुंवरजी टोकणजी ॥ ३२ ॥

कैर करेलीजी जंवाईजी भोघणीजी पापड़ तल्या पचास । रुच रुच जीमोजी कुंवर प्यारा पावणजी ॥ ३३ ॥

मांडा तो पोवाजी कुंवरजी लवल बाजी, झवक परोसा थाल। सासूजी जिमावे जवांइ जीने जीमणाजी ॥ ३४ ॥

बीजापुरकोजी जवांईजी बींजणीजी देव घड़ा घड़ थाल रुच रुच जीमोजी कुंवरजी प्यारा पावणाजी ॥ ३५ ॥

चांवल कचाये सासु मेरी रह गयाजी,
पापड़ लग गये चाक। कुण जिमावे
जवांईने जीमणाजी ॥ ३६ ॥

चावल रांदाजी जवांईजी ऊजलाजा
कोई पापड़ और तलाय। सासूजी जिमावे
जीमो चांवसूं जी ॥ ३७ ॥

जीमा जुठोयक सासू मेरी रसरयाजी।
पोडणने ठरौ बताये। रातका उणीदाजीक
सुख फरमायस्यांजी ३८ ॥

ऊंची मैंडीजी कुंवरजी रावटीजी,
कोई दीवलो जगेरे मुसालचनणा तो सोवे
जी कुंवरजी एकलीजी ॥ ३९ ॥

ऊंची तो मैंडी यक साला पोडसीजी,
कोई लाल चूड़े गल बायें घाल खटोलोजी
सोवा चोकमें जी ॥ ४० ॥

ओछे पायाजी ढोलियाजी हर डाबर

की सोड । सुख फरमाश्रोजी कुंवरजी आवसूंजी ॥ ४१ ॥

रिम झिम करती चनणा ऊतरी जी, कोई आई आई राजा जीरे पास । झटक दुसाला जीक राव जगाईया जी ॥ ४२ ॥

सोवोये तो सुखसूं कुंवरजी सोरवांजी, जागो तो वैरण रात, जावो तो सुखसूं प्यारी यक सो रवांजी ॥ ४३ ॥

सोवो तो सुख येक प्यारी धण सो रहां जी, रैस्यो तो वैरण रात, जावो तो सुखसूं प्यारी येक सो रवां जी ॥ ४४ ॥

टग टग चनणायक ऊतरीजी गई गई रामुड़री हाट । ढकियो तो फलसोरे रामुड़ खोल दो जी ॥ ४५ ॥

झिर मिर झिर मिर एक चनणा मेह पड़े जी, कोई होगयो मूसल धार । थारा

तो आवन क्यूं भयो जी ॥ ४६ ॥

म्हारे घर आयारेक रामुड़ा पावणाजी, लेजासी म्हाने साथ। अबका तो बिछड़ारे रामुड़ा कद मिलां जी ॥ ४७ ॥

ढकियो तो फलसो येक चनणा ना खुलेजी, डोडीमें सुत्यो बड़ो बीर। सेजां में सूतो एक नाजक गोरड़ोजी ॥ ४८ ॥

ढकियो तो फलसो येक रामुड़ा खोल देजो, खोलो बजड़ किवाड़। आगल खोलो जीक बीजल सारकी जी ॥ ४९ ॥

ढकियो तो झांटोंये चनणा ना खुले जी, जित आई तित जाय। ढकियो तो झांटोंये चनणा ना खुले जी ॥ ५० ॥

कोयारे काजलरेक रामुड़ा धुलग्यो जी बोन्दली झोला खाय। काजल फीकोरेक रमुड़ा थें किवो जी ॥ ५१ ॥

हाथांरी मैंहदी रामुड़ा रच रही जी, लाल चुड़े गल बांई । नेह सतावेरे झांटो खोलदे ॥ ५२ ॥

छोटेसे मुख पर रामुड़ा रच रही जी, बीड़ी रही मुख मांयें जाड़े घसाइ कोन्या आखड़ी जी ॥ ५३ ॥

बालक पनकी रामुड़ा दोस्तीजो, अब म्हांसे तोड़ी न जाय । छाती मेरी फाटे रामुड़ा टूजलजी ॥ ५४ ॥

एक बार मुख सेरे रामुड़ा बोल लेजी, कोई ले म्हाने होबड़े लिपटाय । रैन बिछोवा रामुड़ा मत करे जी ॥ ५५ ॥

बालक पनमें रेक गजबी तै मोहि अब जोबन झोला खाय । भरी जवानीमेंरेक धोखो मत देवो जी ॥ ५६ ॥

करड़ी छाती को तो रामुड़ा तू भयोजी

बज्जर छातीकी तेरी माय। भलो तो पढ़ा यो रक सोकण पूतने जी ॥ ५७ ॥

झूठा भुलावा रामुड़ा तैं दिया जी, ली धोखैमें मोय भली तो निभाइरे हरामी दोस्ती जी ॥ ५८ ॥

माखन माखनरे रामुड़ा खा गयो जी, अब रही खाली छांछ। लूण हरामी रे रामुड़ा तू हुयोजी ॥ ५८ ॥

एक वर फलसोरे रामुड़ा खोल दो जी सुन म्हारे मनडेकी बात। अबका बिछुड़्या रामुड़ा कद मिलां जी ॥ ६० ॥

इतनी सी सुनता जीक रामुड़ो उठियो जी, खोल्या सजड़ किवाड़। आगल खोली जीक बीजल सारकी जी ॥ ६१ ॥

चनणा रामुड़ो एक दोनू भेला हुआजी कोई टप टप टपके नयन। आंसूतो मेरे

जीक हरियल मोर ज्यूं जी ॥ ६२ ॥

आंसू तो पोंछा जीक पगड़ीं पेंच सूंजी लेली हिवड़े लगाय। मनड़े री बातां चनणा ने कहो जी ॥ ६३ ॥

म्हारे घर आया राजा पावणा जी, ले जासी म्हाने साथ। मनड़े रा धोखा रे रामुड़ मनखा जी ॥ ६४ ॥

रिसालू तो लागे जीक प्यारी थारो सायबो जी, प्यारीका लणियार। परतन भेजां जी प्यारीथाने सासरे जी ६५ ॥

ना थारी जाणूं रामुड़ा दोस्ती जी, ना थारी जाणूंप्रीत दिन तो उगायो एक सारी रातको जी ॥ ६ ॥

पैर चलनकी रसालु राजा पावड़ी जी, खपर ले लियो हाथ। अलख जगायो रामु-ड़के महलमें जी ॥ ६७ ॥

रामुड़ाकी राणी रक भिक्षा घाल जो जी, जोगीड़ो ऊभो द्वार। खैर मनावे जी दोन्याके जीव की जी ॥ ६८ ॥

मोती मूङ्गा जीक चनणा ले लिया, गइ गइ जोगीड़ाके पास। भीक घलावां जी जोगीने चाव सूं जी ॥ ६९ ॥

मोती मूङ्गा येक चनणा घर घणा जी, कोई दे दे तेरे हिवड़ेको हार। खैर मनावां रमुड़े सुनारकी जी ॥ ७० ॥

हार गलेका जोगीड़ा जद देवांजी, कोई पूछे रामुड़ेसे जाय हार गलेका जोगी ड़ा जद देवां जी ॥ ७१ ॥

मोती मूङ्गा र जोगीड़ा न लेवे जी, मांगे म्हारे गलेरो हार, हार हमारो रामुड़ा ला देवां जी ॥ ७२ ॥

हार गले को ये प्यारी धन थें देवो जी.

जोगीड़ो देय असीस। खेरमनावे दोन्यां-
जीव की ॥ ७३ ॥

हार हमारो रक रामुडा जद देवां जी
कोई दे म्हाने और घड़ाय। राजाजी तो
पूछे रामुड़ा के कहूं जी ॥ ७४ ॥

दिनमें तो घड़स्यां यक प्यारीजी
नौगरी जी, जी कोई रात्यु घड़स्यां हार
हार पहरो एक रतन जड़ावको जी ॥ ७५ ॥

टग टग म्हलां जीक चनणा उतरी जी
आई आई जोगीड़े के पास। हार गलेको
जोगी थें लैवो जी ॥ ७६ ॥

हार जै बकस्यो जीक चनणा चावसूं
जी, ले म्हारे रामुंड़े की खेर। खैर मनावो
रामुडे के जीव की जी ॥ ७७ ॥

इतनी सुन कर रिसालू राजा बावड्या
आया चानण चोक। घाल खटोलो आंगण
बिच सोरह्या जी ॥ ७८ ॥

रिम झिम करतो जीक चनणा बावड़ी जी, आई आई राजा जीके पास ओढ़ दुशाला जीके सागे सो रही जी ॥ ७९ ॥

आबू कीसीर चनणा बोजलीजी, सूरज जीसोरे उजास चन्दा सरीसी रक चनणा ऊजली जी ॥ ८० ॥

के थाने राजाजीक भाया भरमाईया जी, के सोतनकी सीख। नार क्यों त्यागी चनणा गोरड़ीजी ॥ ८१ ॥

होश सम्हारो जीक मारूजी रंग करो जी, ल्यो म्हाने हीयड़े लगाय। लहर उतारोजी मारूजी कामकी जी ॥ ८२ ॥

मेलो कर ल्योजीक राणी थारी माय सूं जी, बाबाजी पा ल्यो सीख। वेग पधारो धन देशको जी ॥ ८३ ॥

रथड़ा जुता ल्यो जीक राणी थारे आपका जी, म्हारे घुड़लामें ऐब। नार चढ़े सूं जी घोड़ा मेरा चिमकणा जी ॥ ८४ ॥

उठो न कंवरजीक दातन मोल लो जी, हाथ कलेवेने हुई अंवार। दातण मोलो काची केलकी जी ॥ ८५ ॥

दातन करला जीक सीसू कर चुक्याजी, कलेवेने नाय अंवार। सीख दिवावो जास्यां देशने जी ॥ ८६ ॥

आवो ना साथणियें येक म्हांसे मिल लवो जी, केदो सुन लो मनकी बात। तड़के तो जास्यां समरथ सासरेजी ॥ ८७ ॥

आधी सी ढालतां जीक चनणा नीसरी जी, रामुड़ा खाई छे पछाड़। खाय तिवाळो रामुढ़ो गिर पड़यो जी ॥ ८८ ॥

मत कोई करयो रेक साथी भायो दोस्ती जी, मतना करियो प्रीत। प्रीत लगा कर जी प्यारी धोखो देचलीजी ॥८९॥

प्रीत बुरी छे रक भायो परनारकीजी, ले गई कलेजो काढ़। प्रीत लगाकर जी धोखो दे गई जी ॥ ९० ॥

आधीसी ढलता रिसालू राजा रल-कियाजी, आया बीखम उजाड़। घणने पूछेरे राजाजी वारताजी ॥ ९१ ॥

औरज गहना घनणा पहरियाजी, कठे तेरे गलेको हार। हार दिखावो राणी थारा नौलखा जी ॥ ९२ ॥

तीजन चरखाजी कातन में गई जी, सखियां तोड़यो मेरो हार। घर घर मणियो जीक राजाजी हो गयो जी ॥९३॥

झूठी राणीजी झूठ न बोलना जी, झूठकी आवे म्हाने झाल। सांची सांची येक थें कहोजी ॥ ९४ ॥

बढ़ चोवारेजीक न्हावण मैं गई जी, खूंटी टांगो हार। हारज भूलीजीक राजा महलमें जी ॥ ९५ ॥

हार हमारो भूला महलमें जी, दे भेजे मेरी माय। माय खोनाव जीक बड़े वीरने जी ॥ ९६ ॥

हार तुमारो येक राणी म्हे लियोजी, यो ले तेरे गलेका हार। खैर तो मनाई येक रामुड़ के जीवकी ॥ ९७ ॥

खाय लिवालो रेक चनणा गिर पड़ीजी कोई सीतल भयो वे सरीर। बतलाया सूं रानी बोले नहीं जी ॥ ९८ ॥

सुरत लिखाऊं कोरे कामदांजी, राखो म्हलां मांय। एक वर मुखड़े एक राणी बोल ले जी ॥ ९९ ॥

माय उड़ावे राणी मेरी कागलाजी, बैनड़ जोवे म्हारी बाट। एक वर मुखड़े जीक प्यारीजी बोल लो जी ॥ १०० ॥

सई सांजका रिसलू राजा बावड़ाजी, चितमें भोत उदास। अम्मा तो बूजेजी कंवरने बारता जी ॥१०१ ॥

कठे तो छोड़ आयो बेटा मेरा दायजो, कठे छोड़ आयो सुरंगो साथ। कठे छोड़ आयो बेटा मेरा कुल बहूजी ॥ १०२

तोड़छी करेला एक चनणा बागमें, डस गया काला नाग। खाय तिवालो चनणा गिर पड़ी जी ॥ १०३

प्रीत अखीरी चनणा कर गईजी, कर गई जुगमें नांव। रैन विछोवा जीक चनणा ना रहो जी॥ १०४॥

प्रीत निभाईजी दोन्यां सारसी जी, पाली पूरव प्रीत। चनणा रामुड़ो बिछोहा ना रह्यो जी॥ १०५॥

गीत बुंगलेको।

ज्वानी म्हारा माथाने महंमद ल्याव। रखड़ी गढ़ा दोजी म्हारा भरतार॥ १॥
ज्यानी थारो बुंगलो कितियक दूर आता आता हारा जी म्हारा भरतार॥ २॥
गोरी म्हारी बैल जुपादूं दोय चार नाजों म्हारी रेलां बैठो आवो ये म्हारी घर बार॥ ३॥

ज्यानी थारे बीच बहे दरियाव गोदी कर ले चालो जी म्हारा भरतार॥ ४॥

गोरी म्हारो भाई ये भतीजा म्हारे साथ लाजां मत मारो ये म्हारी घर नार ॥ ५ ॥ ज्यानी म्हारा भाई ये भतीजा छिटकाय गोरीको मन राखोजो म्हारा भरतार ॥ ६ ॥ गोरी म्हारो रंग महलमें चाल नाजो म्हारी रंग महलमें चाल । गोदी थांने लेल्यां ये म्हारी घर नार ॥ ७ ॥ ज्यानी म्हारा कानाने कुंडल ल्याव झूटना घड़ा दोजी म्हारा भरतार ॥ ८ ॥

ज्यानी म्हारा गलेने सतलड़ी ल्याव । गल पटियो गढ़ा दो जो म्हारा उमराव ॥ ९ ॥ गोरी म्हारी बेल जुपाद्युं दोये चार । नाजो म्हारी बेल जुपाद्युं दोये चार । गद्यां बैठी आवोये म्हारी घर नार ॥ १० ॥ ज्यानी थारे बीच बहे दरियाव गोदी म्हाने लेलो जी म्हारा भरतार ॥ ११ ॥

गीत पनियारीको

पहलां सासूजी थाने जाचन आईरे, हाथ जोड़ लगी समझाने मेरा पिया परदेस सिधारयाजी इस कारण पूछूं थांने ॥ १ ॥ संगरी सहेली आई बुलावन अरज सुनो सासु म्हारी हुकम करो तो थारे जल भर ल्याऊंरी बन नाजकड़ी पनियारी ॥ २ ॥ संगरी सहेली रोक्या पति थारा आखर नार पराई द्योरानी जेठानी संग जल भर ल्यावो संग लेल्यो नणदल बाई ॥ ३ ॥ सिर पर घड़ो घड़े पर मटकी ओढनी मोत्यां वारी रिमझिम करती पानीड़ेन चली बन नाजकड़ी पनियारी ॥ ४ ॥ पनियारी द्योरोनी जेठानी पानीड़ेने चालीजी बन ठनके प्रीतम प्यारी ॥ ५ ॥ घाट घाट

पर खड्या मुसाफर घड़लो उठाई मेरा दिल ज्यानी घड़लो उचाई रोकाई म्हाने देख्यो ये थे घण जोबन मस्तानी ॥ ६ ॥ घड़लो भराईरो थे कांई लेस्योजी घड़लो उचाई मेरा दिल ज्यानी ओरांने दे देउं म्होर रुपैया थे कांई लेस्यो स्यालानी ॥ ७ ॥ केसर बरन अङ्ग तिहारो हुसन खिल्या ज्यों गुल क्यारी घड़लो उचाई में जोबन यु थे बकसो म्हाने घण नखराली ॥ ८ ॥ होला होला बोलो मुसाफर खड़ी सुने नणदल बाई दिलमें धीरज राख मुसाफर फेर मिलां बेग सांई ॥ ९ ॥ छानसी बात करो कांई भावज मैं सब सुन पाई परदेसींसे प्रीत न करना समज लेवो थे मनके माई ॥ १० ॥ लाज हमारी राखो बाईजी थारी राखेगो गिरधारी हाथ जोड़ थाने अरज गुजारूं

जी मत कहज्यो थारो मांजो सांने ॥ ११ ॥ सिरधर घड़ो चली पनियारी आगे चली नणदल बाई । लैरां लाग्यो चले मुसाफर भूल न जैयो छिनगारो ॥ १२ ॥ घड़लो उतारो सासुजी म्हारो अरज करे भवड़ थारी चाले दर्द पेट में लागीजी रंग रग सब दुखे हमारो ॥ १३ ॥ घड़लो उतार धर्यो पौरडेमें जद बोलो नणदल म्हारी, साची बात सुनो म्हारो मायड भउ विगड़ गई सुन थारी ॥ १४ ॥ झूठी बात कहो मत नणदल थे क्युं लैंर पडया म्हारी चालैं जुलम दरद सोने में मरी दरदकी मैं मारी ॥ १५ ॥ सासुजी हमारो पेटड़लो सो दुखे जान जाये मेरी; पलमें वैद बुलायै म्हारो नबज दिखा दे दरद मिटाबे पल छिनमें ॥ १६ ॥ आबही वैद बुलाऊं भवड़ म्हारी ये दवा मंगाउं मैं

घारो । कुणसो वेद बुलाकर ल्याऊं जी कसक मिटावे सब थारी ॥ १७ ॥ थारे पसबाड़े बसे वैद्जी जल्द बुलावो थे वाने वोई करेगो दवा हमारी देर लगावोथे क्याने ॥ १८ ॥ छोटी नणदलसे चलकम सारो पापण गैल पड़ी म्हारी । सासु हमारी भोली भाली नणदल जगबन हत्यारी ॥ १९ ॥

गीत डफको ।

आछ्योजी पियाजी म्हाने महमद् घड़ाये दो । आछ्योजी पियाजी म्हाने महमद् घड़ाये दो तो रखड़ी घड़ा वो पिया अबको घड़ीरे पलकी घड़ी । डफ कायेको । आछ्यो डफ कायेको बजावो बालम रसिया डफ कायेको ॥ १ ॥ घीमा

धीमा बोल गोरी महमद घड़ायद्युं तो दखड़ी घड़ाद्युं गोरी अबकी घड़ी। डफ कायेको ॥२॥ थारो डफ बाजे म्हारो इन्दरगढ़ गाजे। थारो डफ बाजे म्हारो इन्दर गढ़ गाजे सूती नार धिमक जागे। डफ कायेको ॥ ३ ॥ आच्छोजी बालम म्हाने कुण्डल घड़ाय द्यो। आच्छोजी बालम म्हाने कुण्डल घड़ाय द्यो तो झुटना घड़ाद्यो पिया अबकी घड़ी। डफ कायेको ॥ ४ ॥ धीमा धीमा बोल गोरी कुण्डल घड़ाये द्युं। धीमा धीमा बोल गोरी कुण्डल घड़ाये द्युं झुटना घड़ाद्युं गोरी अबकी घड़ीर पलकी घड़ी। डफ कायेको ॥ ५ ॥ आच्छोजी बालम म्हाने गल पटियो घड़ायेद्यो। आच्छोजी बालम म्हाने गलपटियो घड़ाय द्यो तो कंठी घड़ा दे पिया अबकी घड़ीरे पलकी घड़ी।

डफ कायेको ॥ ६ ॥ धीमा धीमा बोल गोरी गलपटियो घड़ाद्युं । धीमा धीमा बोल गोरी गल पटियो घड़ाये द्युं कंठी घड़ायद्युं गोरी अबकी घडीरे पलकी घड़ी तो राखूं म्हारी धनने जीवकी जड़ी । डफ कायेको ॥ ७ ॥ आच्छोजी बालम म्हाने बाजू बन्द घड़ाये द्यो आच्छोजी बालम म्हाने बाजू बन्द घड़ाय द्यो टड्डा घड़ादो पिया अबकी घड़ीरे पलककी घड़ी। डफ कायेको ॥ ८ ॥ धीमा धीमा बोल गोरी बाजू बन्द घड़ायद्युं । धीमा धीमा बोलो गोरी बाजू बन्द गड़ाये द्युं टड्डा गड़ाये दूं गोरी अबकी घड़ीरे पलककी घड़ी तो राखूं म्हारी प्यारो धणने जीवकी जड़ी । डफ कायेको आच्छोजी बालम म्हाने गजरो मंगायदो ।

आच्छोजी बालम म्हाने गजरो मंगायदो। चुड़लो चतरादो पिया अबकी घड़ीरे पलकी घड़ी। डफ कायको ॥ १० ॥ धीमा धीमा बोल गोरी गजरो मंगा दूं। धीमा धीमा बोल गोरी गजरो मंगाद्युं तो चुड़लो चतरा दूं गोरी अबकी घड़ीरे पलककी घड़ी राखूं म्हारी प्यारी घणने जीवकी अड़ी। डफ कायेको ॥ ११ थारो डफ बाजे म्हारो सारो महल्लो जागे तो सुती नार चिमक जागे। डफकायेको॥ १२ ॥ आच्छो जी बालम म्हाने पायल घड़ाय दो। आच्छो जी बालम म्हाने पायल घड़ायेदो पिया अबकी घड़ीरे पलककी घड़ी। डफ कायको ॥ १३॥ धीमा धीमा बोल गोरी पायल घड़ाये दूं। धीमा धीमा बोल गोरो पायल घड़ायेदूं गोरी अबकी घड़ीरे पलककी घड़ी